



epaper.vaartha.com



वर्ष-28 अंक : 105 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ़ पूर्णिमा 2080 सोमवार, 3 जुलाई 2023

Ghar Ka Doctor

MY Dr. Headache Roll On

HEADACHE GONE WITH MY DR ROLL ON 100% प्राकृतिक

For Trade Enquiry : 8919799808 www.mydrpainrelief.com

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

आरिखरकार टूट गई एनसीपी

अजित पवार ने 31 महीने में तीसरी बार शपथ ली, 8 विधायक भी मंत्री बने

13 साल में अजित को पांचवीं बार डिप्टी सीएम का पद मिला

पहली बार- 10 नवंबर 2010 से

25 दिसंबर 2012 (CM- पृथ्वीराज चहाण)

25 अक्टूबर 2012 से

26 दिसंबर 2014 (CM- पृथ्वीराज चहाण)

23 नवंबर 2019 से

26 नवंबर 2019 (CM देवेंद्र फडणवीस)

30 दिसंबर 2019 से

29 जून 2022

(CM उद्धव ठाकरे)

2 जुलाई 2023 से

(CM एकनाथ शिंदे)



मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बैद्यतिक वारिकार बड़ा घटनाक्रम उलटोरे हुआ। एनसीपी के अजित पवार ने दोपहर 3 बजे शिंदे शिवसेना के एकनाथ शिंदे की सरकार में डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। अपने बाजार के तुरंत बाद द्वितीय प्राकृतिक बदला और लिखा- डिप्टी सीएम अंके महाराष्ट्र।

अजित पवार 8 विधायकों छगन भुजबल, धनबज भुंडे, अनिल पाटिल, दिलिप वलसे पाटिल, धर्मराव अत्राम, सुरील बलसाड, अदिति तटकरे और हसन मुश्तीक के साथ दोपहर 2 बजे राजभवन पहुंचे। 3 बजे-ते-बजे शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में सभी को मंत्री

पद की शपथ दिलाई गई। अजित पवार ने पांचवीं बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। 1999-2014 के दौरान महाराष्ट्र में कृपेश-एनसीपी गठबंधन की सरकार में वह दो बार उपमुख्यमंत्री रहे। नवबर 2019 में अजित पवार ने बगावत काके फडणवीस के साथ सरकार बनाई और उपमुख्यमंत्री बने।

हालांकि दो दिन बाद ही सरकार गिर गई। इसके 2 दिन बाद उद्धव ठाकरे की सरकार बनी जिसमें अजित पवार डिप्टी सीएम बना गए। अब पांचवीं बार शिंदे की सरकार में वह डिप्टी सीएम बने।

शरद पवार का राहुल को समर्थन

देना नाराजगी का कारण :

अजित समेत बावी विधायक शरद पवार के पटना में विषयी एकता बैठक में मंच साझा करने और राहुल गांधी के साथ सहयोग करने के एकतरफा फैसले से नाराज थे।

महाराष्ट्र में अगले साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके छह महीने पहले आम चुनाव होंगे। किंतु कृष्ण सरकार में बावी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पहले से ज्यादा सीटें जीतें। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बाबुनकुले ने कहा कि हमारी सरकार को 40 एनसीपी विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

एसे में अब महाराष्ट्र में नेता विषयक का पद कॉर्प्रेस का मिल संकेत है। विषयक में सबसे ज्यादा 44 सीटें कॉर्प्रेस की विषयक का पास हैं। अजित बोले, उद्धव के साथ सरकार बनाई थी, तो शिंदे के साथ आने में क्या गलत है। हमारे पास सरकार चलाने का अनुभव जाएगा।

उद्धव ने एक द्वीप में कहा, मैंने अभी राकांपा के बाद शरद पवार से बात की। उद्धव के बाद दोपहर 3 बजे शिंदे ने आम चुनाव होने से बात की। हम उद्धव ठाकरे के साथ एक नई शुरूआत कर सकते हैं। उद्धव ने राजनीतिक दलों में विभाजन के जरूरी के आगे इशारा करते हुए कहा कि उद्धव के बाद एक नई शुरूआत हो जाएगी।

उद्धव ने कहा, एसा लगता है कि कृष्ण लोग महाराष्ट्र की राजनीति को पूरी तरह से नियंत्रित करते हुए कहा, उद्धव ने अजित पवार, मुख्यमंत्री शिंदे और भारतीय जनता पार्टी की ओर इशारा करते हुए कहा, उद्धव ने अपने चुने हुए राज्यपाल पर आग बढ़ने दें।

कहा, मंत्रिमंडल का और विस्तार होगा। कृष्ण मंत्री सरकार में शामिल हो सकते हैं। कई दिनों से इस बारे में बातचीत चल रही थी। पांच मंदी देश के विकास के लिए पिछले 9 सालों में कार्य कर रहे हैं। मुझे लगा कि हमें भी उनका साथ देना चाहिए। इसलिए 8 मंत्री में शामिल हुए।

महाराष्ट्र को विकास करने वाला नेतृत्व चाहिए। भुजबल और मैने विकास को तबजो दी। केंद्र का सहयोग और पैसा महाराष्ट्र को मिलता रहे। इसलिए हमने हमारे लिया। पार्टी भी हमारे साथ है। आगे भी उनका साथ आए, लेकिन कई विधायक हैं, जिनके खिलाफ कोई केस नहीं है, वे भी शिंदे सरकार के साथ आए हैं।

शरद पवार बोले, पार्टी फिर से खड़ी करके दिवांगां

अजित और छगन भुजबल की प्रेस कॉर्प्रेस के बाद शरद पवार में मंदिरी के सामने आए। वे बोले- वे पार्टी मैंने बनाई थी। पार्टी के बायोकर्टांओं ने बनाई थी।

गणतंत्र में भी एसा हुआ था। वहां भी हमारी पार्टी के चुने गए 7 विधायकों ने विधायिका के साथ जाने को फैसला लिया था। हमने उद्धव के साथ सरकार बनाई थी, वे शिंदे के साथ जाने में क्या गलत है। हमारे पास सरकार चलाने का अनुभव है।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा जाएगा।

राजत का दावा ज्यादा दिन नहीं चलेगा ये 'सर्कस'

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बदले गये राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिवसेना (शुक्रीटी) नेता संजय राजत का बचान भी सामने आया है। राजत ने कहा कि राष्ट्रवादी कॉर्प्रेस पार्टी (रांकपा) सुरीमों शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से अविचलित हैं। वह अपने चुनाव विषयक के साथ मिलकर लड़ा ज

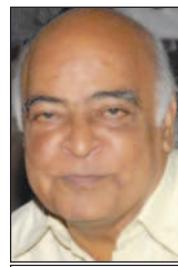
पहनावे पर पाबंदी

बिहार के शिक्षा विभाग ने चुनावी साल में बैठे-बिटाए एक आफत मोल ले ली है। उसने ताजा फरमान जारी किया है शिक्षा विभाग कर्मचारी अब जींस-टीशर्ट नहीं पहन पाएंगे और उन्हें स्कूल व अपने कार्यालय में औपचारिक कपड़े पहन कर ही आना होगा। विभाग का स्पष्ट कहना है कि जींस पैंट और टीशर्ट कार्यालय संस्कृति के खिलाफ है, इसलिए यदि वे पहन कर आए तो उन्हें दर्दित किया जाएगा। इस फरमान के बाद शिक्षकों में नपना गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। वैसे देखा जाए तो अपने देश में इस पहनावे को लेकर आम धारणा तो यही रही है कि यह एक विदेशी पहनावा है। इसे कभी-कभार अनौपचारिक रूप से ही पहनने में तो बुराई नहीं है, लेकिन स्कूल व अफिस में इस पर पाबंदी होना ही चाहिए। आमतौर पर कार्यालयों या किसी समारोह आदि में लोग कमीज-पैंट या अन्य कपड़ों को तरजीह देते रहे हैं। यही बजह है कि बिहार में शिक्षा विभाग के आदेश को लेकर कर्मचारियों में गुस्सा तो है लेकिन अभी तक खुल कर कोई खास आपत्ति सामने नहीं आई है। यह भी सही है कि बिहार में इस तरह का आदेश कोई पहली बार नहीं आया है। इससे पहले 2019 में भी सरकार ने राज्य सचिवालय में सभी कर्मचारियों के जींस और टीशर्ट पहनने पर पाबंदी लगा दी थी और उन्हें साधारण, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनकर दफ्तर आने को कहा गया था। तब इसे लेकर कहा गया था कि इसका मकसद कार्यालय की मर्यादा को बरकरार रखना है। देखा जाए तो किसी विभाग में कर्मचारियों के लिए कोई खास नियम तय करना उसके अपने अधिकार क्षेत्र में है और पहनावे को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। लेकिन यह कैसे तय किया जाएगा कि कार्यालय संस्कृति के मुताबिक 'औपचारिक' परिधान में आने वाला कोई कर्मचारी जींस पैंट या टीशर्ट पहनने वाले किसी व्यक्ति से ज्यादा सक्षम, जिम्मेदार और अपने दायित्वों के प्रति सजग है! यह अच्छी बात है कि बिहार के शिक्षा विभाग के आदेश में फिलहाल इसे किसी 'डेस कोड' या एकरूप परिधान के आदेश की तरह नहीं देखा जा रहा है। गनीमत है कि इसमें अभी कोई खास प्रदर्शन तय नहीं किया गया है। लेकिन एक बार पिछे पेस्टे फरमान के

हां पापा तप नहीं जाना नहीं होता तरह एक बार नहीं दूसरा तरह नहीं कर सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं और उसके ऐचित्य पर बहस शुरू हो गई है। विशेष रूप से जींस पैंट और टीशर्ट पहनने पर पाबंदी के बाद यह सवाल उठने लगा है कि किसी पहनावे को किन आधारों पर 'औपचारिक' या 'अनौपचारिक' घोषित किया जाएगा। देखा जाए तो पहनावा एक ऐसा पहलू रहा है, जो वक्त और देश काल के अनुसार जरूरत के मुताबिक बदलता रहा है। अलग-अलग संस्कृतियों में लोग इसे सुविधा, सहजता, पसंद, उपयोगिता, उपलब्धता आदि के लिहाज से अपनाते व छोड़ते रहे हैं। जींस और टीशर्ट कोई इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। जबकि पश्चिमी देशों में यह एक आम और सहज पहनावा माना जाता है और अब यह अपने देश में भी चलन में आ चुका है। इस पर किसी को कोई एतराज भी नहीं है। इसे बहुत सारे लोग औपचारिक या अनौपचारिक अवसरों पर पहनते हैं। लेकिन कुछ लोगों के भीतर इसके प्रति एक विचित्र आर्कषण पाया जाता है। अपने यहां खासतौर पर महिलाओं के लिए इस परिधान को स्वाभाविक नहीं माना जाता है और आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि किसी गांव, पंचायत या समुदाय की ओर से लड़कियों के जींस पहनने पर पाबंदी लगा दी गई। जाहिर है ऐसे फरमान के पीछे एक संकीर्ण नजरिया होता है, जिसमें किसी पहनावे को लेकर नकारात्मक और कुंठा को दर्शनि वाले पूर्वांग्रह शामिल होते हैं। कई बार संस्कृति से जोड़ते हुए किसी खास पहनावे की वकालत की जाने लगती है। यह संभव है कि किसी पहनावे को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हों, लेकिन जहां तक कार्यालय संस्कृति का सवाल है तो यह समझना मुश्किल है कि कामकाज में गुणवत्ता, समयबद्धता, दायित्वों के निर्वहन और तत्परता से तय होती है न कि किसी पहनावे से! बिहार सरकार को एक बार फिर से इस पर विचार करने की जरूरत है।

शब्द और लेखनी में असीमित सामर्थ्य

न तलवार निकाला, जब ताप
मुकाबिल हो तो अखबार
निकालो। मुंह से बोले गए शब्द
और वाक्य बहुत सकारात्मक भी
हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर
नकारात्मक भी हो सकते हैं।
एक ही शब्द कहीं पर बड़े से
बड़ा दंगा करवा सकते हैं और
कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द
बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा
सकते हैं। शब्द की परिणति
उसकी मुकित ही करती है। बड़े-
बड़े राजनेता अभिनेता अपने
मुंह से बोले गए शब्दों से
लोकप्रियता के चरम पर पहुंच
जाते हैं और कहीं किसी नेता के
मुंह से निकला हुआ शब्द बाण
समाज में विषाद और जहर भर
देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-
बड़ी आम सभाओं में सोच
समझकर इस्तेमाल कर अपना
जीवनता प्रदान करत ह आर
जीवनशैली को बेहतर बनाने की
ओर अग्रसर करते हैं और दौपीटी
द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की
उत्पत्ति का कारण बनते हैं।
इसलिए सदैव कहा जाता है की
संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त
होती है। इसीलिए तो संभल कर
सही और उपयुक्त शब्दों का
इस्तेमाल करना चाहिए। जो
सदैव अच्छा वक्ता होता है
अपने विचारों को संभल कर
बोलता है भले ही वह दिलों को
ना छुए पर उसका जनमानस को
जीतना तय होता है और संसार
पर वही राज करता है जो अपने
शब्दों का सही इस्तेमाल करता
है, गलत शब्द से, गलत
संभाषण से गलत विचारों से
बोला गया वाक्य प्रलय भी ला
सकता है।



अशोक भाटिया

महंगाई की मार, जनता लाचार

मानसूनी बरसात से हरी सब्जियों पर महंगाई की मार पड़ गई है। जिस टमाटर की फसल को 20 दिन पहले किसानों ने खेतों में ही नष्ट कर दिया था, अब उसी के दाम आसमान छू रहे हैं। 20 रुपये प्रति किलो रुपये प्रति किलो तक अरबी, तोरई, बैंगन पहुंच गए हैं। लौकी है। अधिकतर हरी की पहुंच से दूर होती बजेयां क्षेत्र के हिसाब तल भारत में ही नहीं, तरह से महंगाई बढ़ छुपी नहीं है। बढ़ती समस्याओं को और सका सबसे ज्यादा के गरीब तबके को इस पर संयुक्त राष्ट्र विकास संगठन द्वारा जारी ताजा चला है कि खाद्य संसदी के उछाल से, आय में 5 फीसदी की । देखा जाए तो यह वो परिवार आमतौर पर देखभाल सम्बन्धी रता है। यूएनसीटीडी भर में तेजी से आई और बढ़ता कर्ज उका है। इसके साथ-

पर खाद्य पदार्थों और ऊर्जा जीती कीमतों के चलते कभी न यापन के सबसे बुरे दौर है। पिछले दो साल महामारी वाला वैश्विक अर्थव्यवस्था नाजुक हो चुकी है। ऊपर जारी युद्ध और जलवायानी लावों ने स्थिति को बद से बदला है। आंकड़ों की मानें तो अपनी मजदूरों की वास्तविक मारी से पहले की तुलना में ना ही नहीं दुनिया के 6 देशों से कमज़ोर देश कर्ज के बहुत हुए हैं। अनुमान है कि करोड़ लोग गरीबी रेखा से निचे रह रहे हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर उड़ लोग सामाजिक सुरक्षा के दूर हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र दुनिया रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ मोरिटा एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड' चला है कि 2021 में करोड़ लोग भुखमरी का शिकायत किया कितना विशाल है इसके से लगाया जा सकता है कि करीब 59 फीसदी आबादी वहीं 230 करोड़ लोगों को जाना भी नसीब नहीं हो रही है। खाना मिल भी रहा है उनकोई खास अच्छी नहीं है। इसके स्वस्थ आहार दुनिया में 3 लाखों की पहुंच से बाहर है ऐसे आहार करीब रिकॉर्ड स्तर पर और पिछले साल की तुलना में 20.8 फीसदी ज्यादा है। जहां कर्त्ता क्षेत्र का भी है। जहां कर्त्ता

कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई है। वहीं ऊर्जा कीमतों में भी 2021 की तुलना में इस साल 50 फीसदी बढ़ि की आशंका है। ऐसा ही कुछ उर्वरकों के साथ भी हो रहा है जिनकी कीमतें 2000 से 2020 के औसत की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा हो चुकी हैं। देखा जाए तो एशिया और अफ्रीका में रहने वाले 9 करोड़ लोग, जो पहले बिजली इस्तेमाल कर रहे थे, अब स्थिति यह है वो अपनी ऊर्जा सम्बन्धी बुनियादी जरूरतों का भुगतान नहीं कर सकते हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन के चलते हर साल करीब 2 करोड़ लोगों को मजबूरी में विस्थापित होना पड़ रहा है। अनुमान है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 41.6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। नितीजन इसका असर न केवल खाद्य उत्पादों की बढ़ती कीमतों पर पड़ रहा है साथ ही उत्पादन में भी गिरावट आ रही है। यह सब कुछ यहीं तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका असर अगले सीजन में भी बढ़ी कीमतों के रूप में सामने आएगा। यदि आम लोगों के जनजीवन पर पड़ते असर की बात करें तो बढ़ती महिंगाई का मतलब है कि खाद्य उत्पादों और ऊर्जा कीमतों में इजाफा आ जाएगा, जिसका असर लोगों की वास्तविक आय पर पड़ेगा। उनके रहनसहन के स्तर में गिरावट आ जाएगी, जो अगले चलकर उनके भविष्य की संभावनाओं को भी प्रभावित करेगा। अनुमान है कि इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ेगा। इसकी वजह से सामाजिक रूपरेखा में जो दीर्घकालिक

प्रभाव पड़ेंगे जो चिंताजनक हैं। बढ़ती गरीबी से लेकर असमानता की खाई कहीं ज्यादा गहरी हो जाएगी। शिक्षा के स्तर और उत्पादकता में गिरावट आ जाएगी, साथ ही लोगों की मजदूरी भी कम हो जाएगी। इसका असर सरकारों की इस तरह के संकटों से निपटने की क्षमता पर भी पड़ेगा जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए जहां कुछ परिवारों को अपने भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ सकता है। वहां बच्चों को शिक्षा से वंचित होने से लेकर स्वास्थ्य सम्बन्धी खर्चों के साथ समझौता करना पड़ रहा है। ऐसे में जब परिवार अपने खर्चों में कटौती करने की कोशिश करेंगे तो वो सस्ते उत्पादों की तरफ जाएंगे, जिनकी गुणवत्ता उतनी बेहतर नहीं होगी। नीतीजन यह उन्हें आगे चलकर कहीं ज्यादा महंगा पड़ेगा। इस मामले में यूएनपीटीडी की महासचिव रिबेका प्रिन्सपैन का उपभोक्ता संरक्षण पर हाल में हुई बैठक में कहना था कि सरकारों को अपने उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए दीर्घकालीन मिशन को जारी रखने की जरूरत है। संगठन का कहना है कि एक तरफ विकसित देश हैं जिन्होंने अपने उत्पाद सुरक्षा ढांचों को मजबूत किया है। इसके लिए उन्होंने कानून उनके क्रियान्वयन, उत्पादों को वापस लेना सहित संचार अभियान जैसे उपायों को शामिल किया है। वहां दूसरी तरफ विकासशील देशों में इसको लेकर मौजूदा प्रणालियां जर्जर अवस्था में हैं, जो असुरक्षित उत्पादों के अभिशाप को नियंत्रित करने में असमर्थ रही हैं। ज्यादा

यह है कि देश के लगभग सभी नैतिक दलों के छोटे से लेकर बड़े सस्ती लोकप्रियता बटोरने के लिए जनता का ध्यान भी इन्हीं चीजों की नेंद्रित करने के प्रयास करते हैं। क्राप्स की कीमत प्रतिदिन सब्जी यों में आने वाली सब्जी की आवक ने भर करती है जिसका सीधा सम्बन्ध जन से होता है। किसान के खेत में नी उपज होती है वह दैनिक आधार और दौंडी में ले आता है और उस उपज को ने हुए उस सब्जी या फल के दाम त हो जाते हैं। यहां से माल खुदरा र में जाता है और प्रत्येक खुदरा बारी के लाभ के अनुसार उसके दाम जाते हैं। लेकिन असली महंगाई यी उपजों जैसे गेहूं, आटा, चावल, चीनी, तेल, गुड़, मसालों, दूध, घी आदि की होती है। उत्तर भारत और इसकी अर्थव्यवस्था के मूल क्षेत्रों में भारत बहुत बदला तर बढ़ रहा है। औद्योगिक व दन क्षेत्र का अंश भी बढ़ रहा है। हमें लोहों से लेकर सीमेंट व अन्य औं के साथ औषधि क्षेत्र व घरेलू ई उपकरणों (बिजली उत्पादों) के उत्पादों की महंगाई की तरफ यान देना चाहिए। इन सभी उत्पादों कीमत बढ़ने का सीधा असर लोकों का सामग्रियों पर पड़ता है।

हिंसा की आग में सुलगता फ्रांस

प्रभुनाथ शुक्ल

फ्रांस इस समय दुनिया की खेयरों में है। देश भर में लोग सक और उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंको सरकार हाशिए है। दर्शन तेज होता जा रहा है। श्वेचत रूप से सारे घटनाक्रम वजह फ्रांस की पुलिस और यों का असहिष्णु कानून है सकी वजह से देश हिंसा की ग में जल रहा है। ट्रैफिक यों का कथित रूप से नुपालन न करने पर एक शोर को जांच की आड में ली मार दी गई। कार चालक वर्षीय किशोर नाहेल एम पर रोप था कि उसने वाहन कोंग के दौरान पुलिस पर लाल्वर तान दिया था। निश्चित पर से इसकी जितनी आलोचना जाय वह कम है। दुनिया भर मानवीय और उसके अधिकार विप्रपरी होना चाहिए। मीडिया

खबारों आर उसके विश्लेषण पता चलता है कि पुलिस ननी नाकामी छुपाने के लिए दोषीय युक्त पर इस तरह का रोप मढ़ रही है। नाहेल ने एक ट्रैफिक नियम को तोड़ा था उसे दूसरे तरीके से भी सजा जा सकती थी। यह जुर्म इतना नहीं था कि उसे गोली मार जाय। निश्चित रूप से पुलिस फ्रांस के लचीले कानून का अपयोग किया है। गोली मारने यह पहली घटना नहीं है किंतु के पूर्व भी कई लोग शिकार हैं। मीडिया मे यह तथ्य भी मने आए हैं कि पुलिस नस्लीय नियमों को नियमों का उल्लंघन करने वालों को गांधीगिरी जरिए गुलाब का फूल भेंट करता है। क्योंकि सिर्फ कानून से नहीं चलाया जा सकता भारत में बाल एवं किशोरों का पूरा ख्याल किया जाता है। पुलिस के खिलाफ परेसिस बाहरी हिस्सों हिंसा भड़क है। सरकार स्थिति नियंत्रित

कर पा रहा हा सरकार आर पुलिस में शीतयुद्ध की स्थित है। लोग सड़क पर उतर कर उग्र और हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वाहनों को आग के हवाले किया जा रहा है। किशोर की हत्या को लेकर लोगों में बेहद आक्रोश है। मानवाधिकार संगठन इस घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं। हालात को नियंत्रित करना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है। देश के कई हिस्सों में कफ्यू लगा दिया गया है। नाहेल की हत्या करने वाले आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को फ्रांस के राष्ट्रपति मैरीटो ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने पुलिस की तीखी आलोचना की है। वैसे उनके बयान को लेकर पुलिस संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि इससे पुलिस का मनोबल गिरेगा।

लेकिन देश में बढ़ती हिंसा को

हा। उसका पुलिस ने ऐसे की हत्या 2017 में इन में ढील था। अब कानून उसी है। जबकि नवाधिकार इस कानून बाब बनाया गोडिया के कानून में तरह की है। बीबीसी अनुसार अब यह बने हैं। रोप लग रहे और अरब ई जाती है। दोष किशोर त का संबंध या मूल से सरकार को

कबूतर बाज कर रहे अक्षम्य अपराध !



मनोज कुमार अग्रवाल

यदि किसी ट्रैवल एजेंट के जरिए विदेश पहुंच कर किसी छात्र अथवा रोजगार की तलाश में गए युवक न संबंधित लोगों से या फर्जी में गए युवा के गमीन खिसक गी स्वार्थ और उठ बोल कर नौकरी अथवा के साथ साथ बजबाग दिखा से पढ़ाई के लिए युवाओं से विदेश भेजने वालों का जाल हजारों युवक और सुनहरे विदेश पहुंच दद युवा ही जो ताल कर जाते हैं लेकिन एक युवाओं की होती योखाधड़ी का अंदर विदेश पर्ने साथ हुई है लेकिन तब ती है। हाल में ट्रैवल एजेंट स्टारी के बाद यात्रा तक है।

हुआ है रहता है। कभी भी विदेश जाकर रोजगार अथवा पढाई की योजना बना रहे युवाओं व उनके अभिभावकों को सतर्कता बरतनी चाहिए तथा फर्जी कागजात के सहारे विदेश में रहने के परवासन संबंधी फर्जीवाड़े से बचना चाहिए। विदेश जाने के लिए कागजी प्रक्रिया काफी दुरुहोती है इसलिए कई लोगों को फर्जीवाड़े का शार्ट कट समझ में आता है कबूतर बाज ऐंटेंट ऐसे लोगों को फंसा कर विदेश पहुंचने में मददगार बन जाते हैं और बाद में उनी के शिकार लोगों को खुद समस्या से निपटने के लिए जेल यात्रा तक गुजरना पड़ता है। इस अवैध धंधे में लगे ट्रेवल एंजेंट्स और उनके साथ शामिल मददगार सरकारी तंत्र की गंदी मछलियों को कड़ी पड़ताल कर दंडित करना चाहिए ताकि ये लोग अवैध कमाई के लालच में युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके। हाल ही में मामला उजागर हुआ कनाडा में जिन युवाओं को प्रवासन पर कनाडा पहुंचे उनके द्वारा स्थायी निवास के लिये उनके आवेदन के दैर्यान पता चला था कि उनके शैक्षणिक संस्थानों में उनके द्वारा जमा किये गये कागजात फर्जी थे।



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

विकास रास्ते में है

विकास अनुभव करने की चौजा है। देखने की नहीं है। सड़क का कूड़ा नाली में पड़ा तो एकाध वर्ष में उत्तम खाद बनेगा। सड़क अलग साफ़ होगी। खाद से शहर के बगीचे हरे होंगे। जिंदगी की 'क्वालिटी' सुधरेगी। अगर नाली वाकई साफ़ हो गई तो दो-तीन साल साफ़ रहेगी। विकास अवरुद्ध होगा। ठेकेदार को काम नहीं मिलेगा। उसके कर्मचारी बेकार होंगे। देश की बेकारी बढ़ेगी।

रोजगार के अवसर घटेंगे। आर्थिक तरक्की पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यकीनन नाली रुकना, साफ़ होना और फिर उसमें कूड़ा भरना राष्ट्रीय हित की एक अनिवार्य प्रक्रिया है। यहाँ केवल उद्यानों के नाम बदलते हैं, हरियाली के नाम पर खर्च किए जाने वाले फंड खाने वाले नेता जस के तस रहते हैं। हरियाली उद्यानों में भले न हों, लेकिन नेताओं की जेबों में भर-भरकर रहती है। उद्यान की रुकनी है। नाली रुकनी है। असुविधाजनक है। ज्यादा से ज्यादा पर रुमाल रखना और घर पहुँचने पर करना होगा। डुबकी भी लाल कसकर व्यक्ति विकास के हित यहीं तो विकास की खुदाई के समझकर उसमें कहलाता है। खुदाई है क्योंकि वह बिजली के साथ बिजली रहती है तो खंबे हैं तो बिजली गुण भी है और खंबे के संकट का तरीका 'थ्रूक चाटने' की

रियाली इसी नीति की देने करना हमारे लिए भले ही है पर देश के लिए ज़रूरी बदा यहीं तो होगा कि नाक और घर से निकलना पड़ेगा के लिए 'गंद' के दरिया को कभी पैर फिसला तो उसमें सकती है। हम कमर गत स्वार्थ को देश के रूप में त्यागने को तैयार हो गए। है। इसलिए किसी भी तरह ऊपर वाले की खुदाई साथ देना देश का विकास बाई बार-बार इसीलिए होती विकास का राजपथ है। भी यहीं हो रहा है। बिजली नहीं रहते हैं और खंबे रहते होती है। कहाँ तो बिजली भी तो तार गायब हैं। जल एक ही हल है। आदमी कला का विकास करे। देश का सबसे अनपढ़ व्यक्ति संक्रामक रोग पूरे मुल्क में फैल जाएं कि उसे संसद में पहुँचा विकास का राजपथ ठेकेदार, और दफ्तर के अफसर बाबू के गुजरता है। प्रजातंत्र की अमृतकाल का समय पलक-खोलने-जैसा है। भारत जै जनतंत्र तो अमृतकाल में जम्हर तो बड़ी बात है। यानी विकास रोड़ अटकते ही रहते हैं। हमें इस सबके बावजूद विकास लगता है। हर सड़क खुद रही है। हर रही है। हर नल में जल का सवाल विकास के लाजमी लक्षण है। विषय है कि इधर विकास का बढ़ी है। कभी विकास साइकिल फिर वह जीप-कार से होने लगता हर सूबे में मंत्री-मुख्यमंत्री 'हेलीकाप्टर' और 'हवाई जहाज' को आमादा है।

विकास का ला देता है, दिया जाए। 'इंस्पेक्टर' पर से होकर जिंदगी में अपकने और विशाल भर ले ले के रास्ते में पंतोष है कि तार हो रहा। 'टाटर' उफन कट है। यह सन्ताना का रफ्तार भी चिह्न होता था। अब तो विकास 'न' से करने युगा न था जार होना पर पकड़ा गया। हाल ही में इस एजेंट की गिरफ्तारी के बाद उसे भारत वापस लाने व मुकदमा चलाने की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। यह घटना उन तमाम भ्रष्ट एजेंटों के लिये भी एक सबक है जो फर्जी तरीके से लोगों को विदेश भेजने के गंदे धंधे में लगे हैं। मिली रिपोर्ट्स के अनुसार इस एजेंट के खिलाफ गत 17 मार्च को जालंधर में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उसे लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया है। आप को बता दे कि कनाडा सरकार ने भारत के पंजाब व हरियाणा व केरल समेत कई अन्य राज्यों से अध्ययन बीजा के जरिये पढ़ने गये छात्र-छात्राओं के सर्टीफिकेट फर्जी पाये जाने के बाद उन्हें देश छोड़ने का फरमान जारी किया है। जिसके खिलाफ भारतीय छात्रों ने हाल ही में नगरानी का शांत काट समझ न आता है कबूल बाज एजेंट ऐसे लोगों को फंसा कर विदेश पहुंचने में मददगार बन जाते हैं और बाद में ठगी के शिकार लोगों को खुद समस्या से निपटने के लिए जेल यात्रा तक गुजरना पड़ता है। इस अवैध धंधे में लगे ट्रेवल एजेंट्स और उनके साथ शामिल मददगार सरकारी तंत्र की गंदी मछलियों को कड़ी पड़ताल कर दंडित करना चाहिए ताकि ये लोग अवैध कमाई के लालच में युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके। हाल ही में मामला उजागर हुआ कनाडा में जिन युवाओं को प्रवासन पर कनाडा पहुंचे उनके द्वारा स्थायी निवास के लिये उनके आवेदन के दौरान पता चला था कि उनके शैक्षणिक संस्थानों में उनके द्वारा जमा किये गये कागजात फर्जी थे।

सावन में भोलेनाथ की पूजा का महत्व

सावन सोमवार की लिप्त

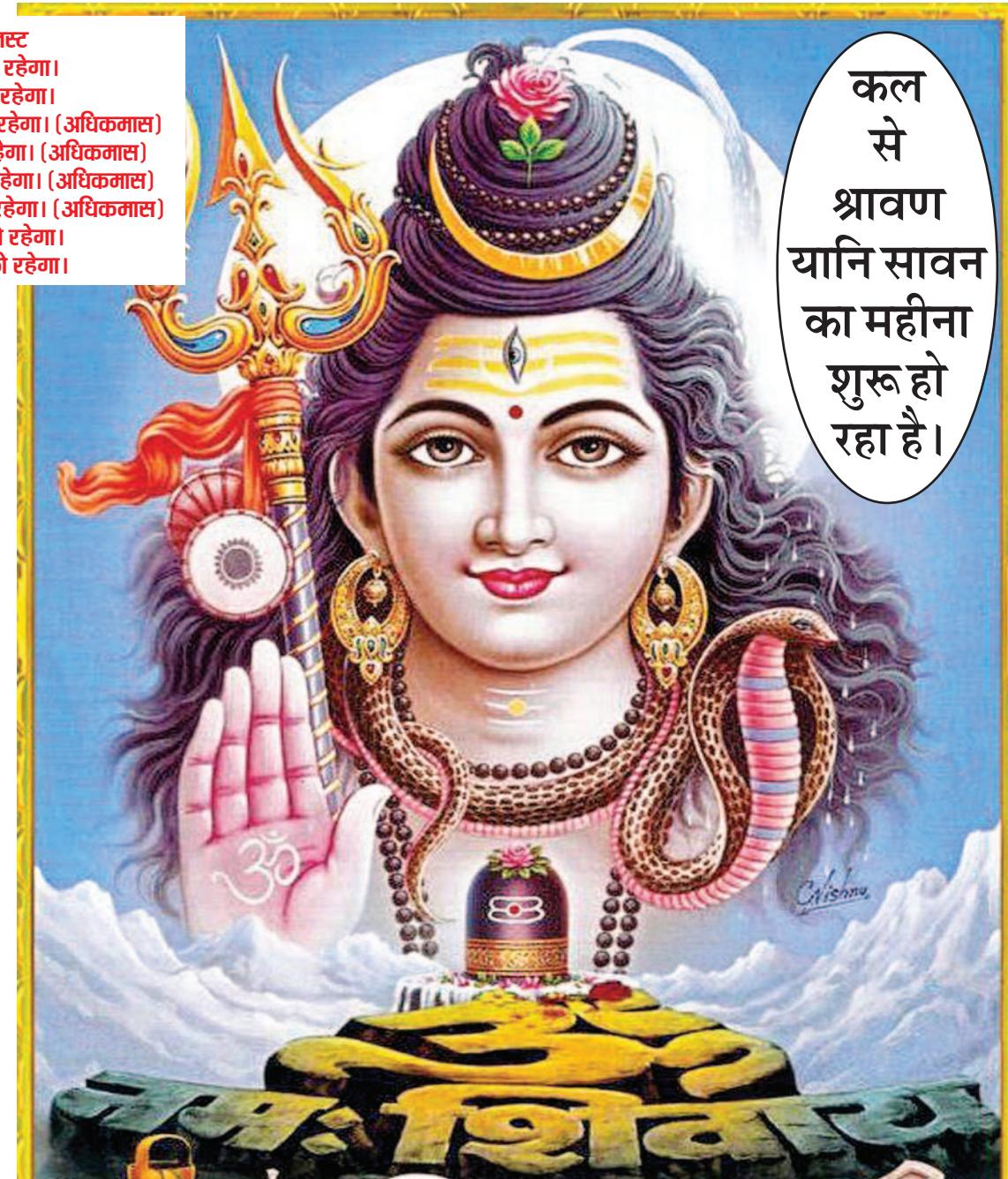
सावन का पहला सोमवार 10 जुलाई को रहेगा।
सावन का दूसरा सोमवार 17 जुलाई को रहेगा। (अधिकानास)
सावन का तीसरा सोमवार 24 जुलाई को रहेगा। (अधिकानास)
सावन का पांचवां सोमवार 7 अगस्त को रहेगा। (अधिकानास)
सावन का छठा सोमवार 14 अगस्त को रहेगा। (अधिकानास)
सावन का सातवां सोमवार 21 जुलाई को रहेगा।
सावन का आठवां सोमवार 28 जुलाई को रहेगा।

4 जुलाई 2023 से भगवान शिव का अतिरिक्त श्रावण यानि सावन का महीना शुरू हो रहा है। सावन महीने को शिव भक्ति के लिए जाना जाता है। इस दौरान चारों तरफ भोले बाबा के नाम की गूँज सुनाई देती है। शिव भक्त इस पूरे माह में पूरी तरह से शिव की साधना में ली जाते हैं। कहते हैं कि भोले बाबा के नाम की गूँज सुनाई देती है। शिव भक्त इस पूरे माह में ही कठोर तप किया था और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया। लियाजा अच्छे वर की प्राप्ति के लिए इस महीने में भगवान शिव की पूजा-अचंचना जरूर करनी चाहिए।

सावन में भोलेनाथ की पूजा का महत्व

सावन महीने में ही भगवान शिव के निर्मित कांड भी लाई जाती है, जिसे सावन महीने की शिवरात्रि के दिन उत्तिव विधि-विधान से भगवान शिव के मंदिर में अर्पित किया जाता है। वैसे तो साल भर भगवान शिव की भक्ति की जाती है। लेकिन भगवान शिव की पूजा करने से मनचाही इच्छा जल्द ही पूरी होती है। साथ ही सावन महीने में शिवलिंग पर जल अर्पित करना चाहिए। शिवलिंग पर जल जलाने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। सावन महीने के सोमवार के दिन जो व्यक्ति विशेष रूप से भगवान शिव के बड़े रहता है और व्रत करता है, उसकी सभी इच्छाएँ पूरी होती हैं। वहाँ जिन कन्याओं को अच्छे वर की चाहत है या जो महिलाएं अपने पते के साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाये रखना चाहती हैं, उन्हें यह व्रत जरूर करना चाहिए। साथ ही पूर्ण भी इस व्रत को कर सकते हैं।

सावन में शिवरात्रि को अर्पित करने ये वीजें



बता दें कि शिव जी को सफेद फल प्रिय है। लियाजा शिव जी की पूजा में सफेद फलों का इस्तेमाल करना चाहिए। जबकि इस व्रत का ध्वनि रखना चाहिए कि उन्हें कभी भी तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए। इसके अलावा ये भी जान लीजिए आक का एक फूल शिवलिंग पर चढ़ाने से सोने के दान के बराबर फल मिलता है। लेकिन हजार आक के फूलों की अपेक्षा एक कनर का फूल और हजार कनर के फूलों को चढ़ाने की अपेक्षा एक बिल्पत्र चढ़ाना अधिक महत्व देने वाला होता है। वहाँ हजार बिल्पत्रों के बराबर एक द्वाण या गूमा फूल, हजार गूमा

फूल के बराबर एक चिंचिदा, यानी लटजीरा, हजार चिंचिदा के बराबर एक कुश का फूल। हजार कुश के फूलों के बराबर एक शमी का पत्ता, हजार शमी के पत्तों के बराबर एक नीलकमल, हजार नीलकमल से ज्यादा एक धूत्रा और हजार धूत्रों से भी ज्यादा एक शमी का फूल शुभ और पुण्य देने वाला मान गया है।

सावन सोमवार व्रतों से ही इसना महत्वपूर्ण

शास्त्रों में सावन महीने में पड़ने वाले सोमवार का बहुत अधिक महत्व बताया गया है। दरअसल सोमवार का प्रतिनिधि ग्रह चंद्रमा है। दरअसल सोमवार का प्रतिनिधि ग्रह चंद्रमा है, जो कि मन का कारक है और चंद्रमा है, जो कि मन का कारक है और

चंद्रमा भगवान शिव के मस्तक पर विराजित है। भगवान शिव स्वयं अपने भक्तों के मन को निर्विन करते हैं और उनकी इच्छाएँ पूरी करते हैं और यही वजह है कि सावन महीने में सोमवार के दिन का इतना महत्व है। बता दें कि इस बार अधिक सास लगाएँ जो वजह से सावन महीने में कुल आठ सोमवार पड़ रहे हैं, जिसमें पहला- 10 जुलाई को, दूसरा- 17 जुलाई, तीसरा- 24 जुलाई, चौथा- 31 जुलाई को और पाचवा- सोमवार- 7 अगस्त को पड़ेगा। बहीं छठा- 14 अगस्त, सातवां- 21 अगस्त और आठवां- 28 अगस्त को पड़ रहा है।

मंगला गौरी व्रत कल

4 जुलाई 2023, दिन मंगलवार से भगवान भोलेनाथ का सबसे प्रिय मास सोमवार/श्रावण शुरू हो रहा है। और इन दिनों शिव जी आराधना की जाएंगी। इस वार सावन का महीना मंगलवार को शुरू होने के कारण इसी दिन माता पार्वती का खास पहला मंगला गौरी व्रत भी रखा जाएगा। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार सावन माह के प्रत्येक मंगलवार के देवी मंगला गौरी की आराधना की जाती है। सुहागिन महिलाएँ इस व्रत को अपने पति तथा बच्चों का भाय संवारें तथा वैवाहिक जीवन को सुखी बनाने के उद्देश्य से यह व्रत रखती है।

बता दें कि वर्ष 2023 पहला मंगला गौरी व्रत 4 जुलाई के दिन पड़ रहा है। इस वर्ष सावन में मंगला गौरी व्रत का दुलार संयोग बन रहा है, जिसमें कुल 9 मंगलवार पड़ने के कारण इस वार नौ मंगला गौरी व्रत रखें जाएंगे। आपको बता दें कि इस साल सावन में अधिक मास होने के कारण श्रावण 2 महीने का होगा और इसमें 8 सावन सोमवार के वरां रखे जाएंगे।

पूजा विधि : श्रावण मास के हर मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठें।

- नित्य कर्मों से निवृत होकर साफ-सुधरे या नवीन वस्त्र धारण



- ३० जगद्धारये नमः ।
- हीं मंगला गौरि विवाहबाधां नाशय स्वाहा ।
- अस्य स्वयंवरकलामत्रय्य ब्रह्मा ऋषि, अतिजगति छन्दः, देवीगिरिपुत्रीस्वयंवरादेवतात्मो अभीष्ट सिद्धयो ।
- गण गौरी शंकराधार्घि वथा त्वं शंकर प्रिया ।
- मां पार्वती के मंत्र :
- ३० गौरी नमः ।
- उमामहेश्वरी नमः ।
- ३० शिवाये नमः ।
- ३० उमाये नमः ।
- ३० पार्वत्यै नमः ।

कर व्रत करें।

- मां मंगला गौरी (पार्वती जी) का एक चित्र अथवा प्रतिमा लें।

- मंत्र- 'मम प्रत्यापैत्रासौभाग्यवृद्धये

श्रीमंगलागौरीत्यर्थं पंचवर्षपर्वन्तं मंगलागौरीव्रतमहं करिये'।

इस मंत्र के साथ व्रत करने का संकल्प लें।

अथर्व- ऐसा माना जाता है कि मैं अपने पति, पुरु-पौरी, उनकी सोभाग्य वृद्ध- एवं मंगला गौरी की कृपा प्राप्ति के लिए इस व्रत को करने का संकल्प लेती हूँ।

- अब मंगला गौरी के चित्र या प्रतिमा को एक चौकी पर सफेद पिण्ड लाव वस्त्र विश्वाकर स्थापित कर।

- पिण्ड प्रतिमा के समाने आटे से बनाया हुआ एक चौकी की दीप लालां।

- दीपो थोड़ा बड़ा है, जिसमें 16 बत्तियां लगाई जा सकती हैं।

- तपश्चात- 'कुंकुमगुरुलिपनांगं सर्वाभरणस्थितिमां' नीलकंपित्रियां गौरीं वन्देहं मंगलाह्यम...।'। यह मंत्र चौलते हुए माता मंगला गौरी का घोड़ोपचार भूजन करें।

- माता पूजन के पश्चात उनको जो सामग्री चढ़ावी होती है, वे सभी वस्तुएँ 16 की संख्या में होनी चाहिए। जैसे- 2 मालां, लौंग, सुगरी, इलायची, फल, पान, लड्डू, सूहाग की सामग्री, 16 चूड़ियां तथा मिर्चां अर्पण करें।

- इसके अलावा 5 प्रकार के सूखे मेवे, 7 प्रकार के अनाज-धन्द्य- जिसमें गेहूँ, चाउल, उड़द, मूँग, चना, जौ, चावल और मसरूर आदि चढ़ावी हैं। इसके अलावा चूड़ियां भूजन करें।

- इस व्रत में एक ही सभी वस्तु एक ग्रहण करके प्रेर्दित दिन मां पार्वती के देवी से पूर्ण वस्त्र देने वाली व्रत का पालन करती है। और अपने लिए एक लंबी, सुखी तथा स्थायी वैवाहिक जीवन की कामना करती है।

- जो महिला उवासक का पालन नहीं कर सकती, वे भी कम से कम पूजा तो करती ही हैं। इस कथा को सुनने के बाद विवाहित महिला अपनी सास तथा नन्द को 16 लड्डू देती है। इसके बाद वे यही प्रसाद ब्राह्मण को भी देती हैं। इसके बाद वे देवी की आरती करें, कथा सुनें।

- '३० शिवाये नमः।'। '३० गौराये नमः।'। '३० पार्वत्यै नमः।'। '३० उमाये नमः।'। '३० पार्वत्यै नमः।'। मंत्रों का अधिक से अधिक जाप करें।

तेजस्विनावधीतमस्तु।' कहा जाता है कि ऐसा करने से भोजन हमारे शरीर में लगता

साथ ही खाने के बाद वर्षा की रुक्षता है।

3. कर्मी भी एक साथ न लें 3 रोटियां-

खाने के दौरान कर्मी भी एक साथ न लें। क्योंकि हिंदू धर्म में 3 नंबर को अशुभ माना जाता है।

5. कर्मी भी थाली में न छोड़ें भोजन-

इसके साथ ही इस वार का थाली में खाना छोड़ने के बाद वे देवी की आरती करें, कथा सुनें।



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

युवा/कृषि

सोमवार, 3 जुलाई, 2023 9

करियर काउंसलर बनने के लिए क्या करें?

करियर काउंसलिंग क्या है?
जिन्होंने भी अपनी शिक्षा पूरी हो जाने के बाद ये सोचा है कि कौन करियर काउंसलर बनने के लिए क्या करें? तो उनको पहले ये जानना जरूरी है कि कौन करियर काउंसलर होती क्या है और कौन जरूरी है कि काउंसलिंग इन सब वार्ताएँ के बाद ही आप तय कर सकेंगे की आप करियर काउंसलर कैसे बनें।

करियर काउंसलिंग ऐसी प्रक्रिया है जो युवाओं को खुब को जानने व समझने में मदद करती है। वे कामकाजी दुनिया के बारे में विस्तार से जान पाते हैं ताकि वे शिक्षा, कार्य तथा जीवन से संबंधित अपने फैसलों तथों तथा अपने व्यक्तिगत गुणों और पसंद के अनुसार ले सकें।

करियर डॉलपम का सम्बन्ध केवल यह फैसले लेने तक ही सीमित नहीं है कि आपको किस फैसले में करियर बनाना चाहिए। यह एक समग्र विकास कार्यक्रम होता है जो एक युवा को पूर्ण जानकारी के आधार पर शैक्षिक तथा पेशेवर चयन करने के योग्य बनाता है।

करियर काउंसलर किसी छात्र के प्रदर्शन में बड़ा सुधार कर सकती है जिससे वे शरीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर विकास करते हुए आजादी से अपने करियर का उपयुक्त चयन कर सकें।

क्या कृष्णी है करियर काउंसलिंग

अक्सर करियर के सम्बन्ध में फैसले अधीरी जानकारी, मातृपिता व समाजिक दबाव और भावात्मक आधार पर ले लिए जाते



है। ये ऐसे कारक हैं जिन के आधार पर कभी भी सही करियर चयन नहीं हो सकता। इसमें हमारे समाज में व्यापक धरणों की भी बड़ी गलती है जो तब तक किसी को सफल नहीं मानती जब तक वह डॉक्टर, इंजीनियर, विज्ञेन्सैन या चार्टेड अकाउंटेंट न बन जाये।

अगर बच्चों को 12वीं के बाद क्या करें या किसी अन्य कोर्स के बाद ये समझ नहीं आता की अब को क्या करें तो बिना किसी के बाद ये समझ नहीं आता की अब को क्या करें तो बिना किसी के बाद ये समझ नहीं आता की अब को क्या करें। अब करियर चयन के विकल्प बढ़े हैं तो वैसे ही युवाओं की जरूरत भी बढ़ी है, करियर काउंसलरों की मदद लेने के बावजूद अपने भविष्य को समझने के बावजूद यह गई है। अब करियर चयन के विकल्प बढ़े हैं तो वैसे ही युवाओं की जरूरत भी बढ़ी है, करियर काउंसलरों की मदद लेने के बावजूद अपने भविष्य को समझने के बावजूद यह गई है।

करियर काउंसलर कैसे बनें?

काउंसलर मतलब सलाहकार और काउंसलर मतलब कामान की शिक्षा, कौशल और सेवा के बाबजूद जान का जायजा लेकर उसे सही राह चुनने में मदद करना। वह एक ऐसा काउंसलर या

करें। चाहें तो इसके बाद डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

कुछ वर्ष अनुवाद रखने वाले भी करियर गाइडेंस तथा कॉउंसलिंग में करियर बना सकते हैं।

करियर काउंसलर बनने लिए शिक्षा जगत की पूरी जानकारी होना जरूरी है। व्यायिक कॉउंसलर का कार्य ही होता है वहनों सलाह देना की बाद क्या क्या नया हो रहा है, के बारे में विशेष रूप से कोर्स करे किसमे अधिक लाभ है। भविष्य में कर क्या नया हो रहा है, के बारे में विशेष रूप से अपडेट रहे।

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होना चाहिए क्योंकि अगर आप किसी को आसन भाषा में समझा ही नहीं पाएं तो आपकी दी सलाह किसी को भी अच्छी नहीं लगेगी। इसीलिए बोलने के तरीके और किसी को जल्दी समझाने की कला सीखिए। उच्च स्तर के धैर्य होना चाहिए। यह एक दशक में एप्सी स्टार्टअप कम्पनियों की बाब आ गई है और इनमें विदेशी फैंड जमा कर पैसा रोबोटिक्स और ड्रोन टकनोलॉजी से एक लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जा सकता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।



इसी तरह शिक्षा और जागरूकता दूसरा फैटर है, जिससे कोई भी नया उद्यमी किसानों के साथ कारोबार करने में हिचकिचाता है। किसान गरीब और कम शिक्षित होने के कारण शून्य जोखिम पर काम करना चाहता है। ऐसे में उसे किसी भी नए उत्पाद या सेवा के लिए तैयार करना कठिन होता है।

कृषि में 'ड्रोन टैक्नोलॉजी'

रोबोटिक्स और ड्रोन टैक्नोलॉजी भी रोबोटिक्स इत्यादि इस सेक्यूरिटी की आजकल बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यही तकनीकी खासतौर पर बड़ी जोत के खेतों में खाद के इस्तेमाल और कैटूनाशकों के छिड़काव में अत्यंत उपयोगी है।

महत्वपूर्ण ऐप्टोक स्टर्टअप कम्पनियां हैं। कृषि उद्यमिता की चुनावितायें यह सही है कि पिछले करीब एक दशक में एप्सी स्टार्टअप कम्पनियों की बाब आ गई है और इनमें विदेशी फैंड जमा कर पैसा रोबोटिक्स और ड्रोन टकनोलॉजी से एक लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

रोबोटिक्स और ड्रोन टैक्नोलॉजी भी रोबोटिक्स इत्यादि इस सेक्यूरिटी की आजकल बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यही तकनीकी खासतौर पर बड़ी जोत के खेतों में खाद के इस्तेमाल और कैटूनाशकों के छिड़काव में अत्यंत उपयोगी है।

महत्वपूर्ण ऐप्टोक स्टर्टअप कम्पनियां हैं। कृषि उद्यमिता की चुनावितायें यह सही है कि पिछले करीब एक दशक में एप्सी स्टार्टअप कम्पनियों की बाब आ गई है और इनमें विदेशी फैंड जमा कर पैसा रोबोटिक्स और ड्रोन टकनोलॉजी से एक लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी कारोबार के लिहाज से साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और खेत को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्नर्नर्सैंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रैसिजन हॉक, रोबोप्लॉट, आईवैर्स के अंटोमेशन, त्रिधि दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। महत्वपूर्ण होता है।

एक ड्रोन खेत में सिर्फ 6 मिनट में दवा का छिड़काव किया जाता है और इसमें किसानों का कमान किसी भी क



हमारे टॉप-50 अमीरों में 36 फीसद सेल्फमेड

वहीं 64% संभाल रहे फैमिली बिजनेस, देश में 57% अरबपति सेल्फमेड

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिनांक में दो तरीके के अमीर होते हैं, पहला-सेल्फमेड, जो अपने दम पर अपना सामाजिक खड़ा करते हैं और दूसरा-जो फैमिली बिजनेस को आगे बढ़ाकर तरकी करते हैं। दैनिक भास्तु ने देश के टॉप-50 अमीरों का विस्तरण किया तो सामने आया कि 50 में से 17 यानी करीब 36% सेल्फमेड हैं और 33 यानी 64% का फैमिली बिजनेस है।



किरण मजूमदार शॉ और नायका की फांडंडर फाल्युनी नायर। करीब 70 साल और फैमिली बिजनेस वालों को 69 साल है, जिनमें अंतर नहीं है। सेल्फमेड अमीरों की औसत संपत्ति एक लाख करोड़ रुपए और फैमिली बिजनेस से जुड़े अमीरों की करीब 66 हजार करोड़ रुपए है।

देश: कुल अरबपतियों में 57% सेल्फमेड

हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट-23 के अनुसार, देश में 57% अरबपति सेल्फमेड हैं। इनमें 3 महिलाएँ हैं- जाहीं की को-फाउंडर राधा वेम्बू बायोकॉन की संस्थापक

पूनावाला, शिव नाडर, राधाकृष्ण दामानी, दिलीप संघवी, लक्ष्मी मित्रल, उदय कोटक) और 3 फैमिली बिजनेस (सुकेश अंबानी, सावित्री जिंदल व कुमार बिडला) वाले हैं।

टॉप-10 अमीरों में सावित्री जिंदल और लक्ष्मी मित्रल का स्थान बिजनेस को बनाए रखा है। अंदाजी, नाडर और पूनावाला की संयुक्त संपत्ति 8 लाख करोड़ है, जो किरण मजूमदार, फाल्युनी और राधा की संयुक्त संपत्ति से 14 गुना ज्यादा है।

देश के टॉप-10 अमीरों में से 14 सात सेल्फमेड (अंदाजी,

30% विरासत से अमीर बने हैं। सेल्फमेड वालों में जेफ बेजेस, मार्क जक्कर्ग व गौतम अदाणी टॉप पर हैं। अदाणी करीब 4 लाख करोड़ रु. के साथ देश के सबसे अमीर सेल्फमेड हैं।

दुनिया की 247 सेल्फमेड अरबपति महिलाओं में 81% चीन की है। अमेरिका की 76 वर्षीय हॉइक्स करीब 1.39 लाख करोड़ रु. की संपत्ति के साथ दुनिया की सबसे अमीर सेल्फमेड महिला है।

भारत की टॉप-50 अमीरों को कोई सेल्फमेड महिला नहीं है। 33 फैमिली बिजनेस वाले अरबपतियों में भी सावित्री जिंदल और लीनी तिवारी समेत दो ही महिलाएँ हैं।

फैमिली बिजनेस को सबसे तेजी से बढ़ाने वालों में बनाई अंनल्ट और सुकेश अंबानी टॉप पर हैं। बनाई की 18 लाख करोड़ रु. की पूर्णी को 18 लाख करोड़ रु. तक बढ़ाया दिया। वहीं, अंबानी ने 82 हजार करोड़ रु. की संपत्ति को 20 साल में करीब 7 लाख करोड़ के करीब पहुंचा दिया।

दुनिया: सेल्फमेड महिलाओं में चीन की 81%

हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट-2023 के मुताबिक, दुनिया में 70% अरबपति सेल्फमेड और

नई कीमतें आज से होंगी लागू

हीरो ने 1.5% तक बढ़ाए टू-ड्वीलर्स के दाम



है। कंपनी ने कहा कि वह ग्राहकों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए फैनेस के लिए नए ऑफर जारी करेगी। हीरो वर्तमान में अपने वाहनों को BS6 फेज-2 नामस्वर में अपेक्षित कर रही है। इसमें क्लिकल में OBD 2 (अनं-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स) डिवाइस को लगाया जा रहा है। ये डिवाइस रियल टाइम में कार्बन डिस्चार्ज के लेवल की नियरानी करता है।

आज से 6 हजार लाप्पा हरी हुई

हीरो ने 1.5% तक

हीरो मोटोकार्प ने इससे पहले

अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वी 1 प्रो के दाम करीब 6,000 रुपए बढ़ाए थे। ये नए दाम आज से लागू हो गए हैं। इस

लाग-लग मॉडल के अनुसार

बड़ों की कीमत

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

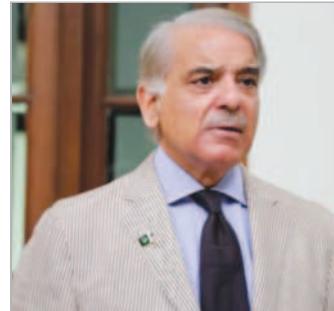
आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

हीरो मोटोकार्प का कहना है कि कंपनी ने इस बड़ों के लिए अलग-अलग मॉडल और मॉटर के आधार पर तय की जाएगी।

आज से 1.5% तक बढ़ाए गए

कंगल पाक को आईएमएफ से मिल गया कर्ज, पर शर्तें उसे और कर देगी बर्बाद

इस्लामाबाद, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अर्थिक तंत्री से गुजर रहे पाकिस्तान को बड़ी राहत मिली अब डॉलर का लोन दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के काफी गिरिजाने के बाद आईएमएफ ने उसकी मदद की है। यह सबको पता कि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से काफी ज्यादा अर्थिक हालातों से गुरुर रहा था और कोशिश कर रहा था कि कि आईएमएफ से कुछ मदद लाजा। एक दिन पहले आईएमएफ ने उसे तीन अरब डॉलर का एक लाइफ्लाइन दिया है। पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच एग्रीमेंट को लेकर बातचीत हो रही थी। बता दें कि पाकिस्तान को यह पैसा एक्सप्रेडेड फंड फैसिलिटी के तौर पर नहीं दिया गया है। आईएमएफ ने इमरजेंसी बैलाउट करने की काशश की है। उसने पाकिस्तान



स्टैंड बाई एग्रीमेंट के तहत तीन अरब डॉलर का लोन

आईएमएफ ने पाकिस्तान के साथ स्टैंड बाई एग्रीमेंट किया है, इसके तहत ही उसे तीन अरब डॉलर का लोन दिया गया है। आईएमएफ का कहाना है कि इसकी वजह से बाइलैस औपेरेट की जो क्राइसिस चल रही है पाकिस्तान के तौर पर नहीं दिया गया है। आईएमएफ ने इमरजेंसी बैलाउट करने की

पाकिस्तान को जो ये तीन अरब डॉलर दिया गया है, इसमें कई सारी शर्तें हो सकता था। मगर यहां पर भी

हाद तक सुधार हो सकता है और साथ ही साथ फैरैन एक्सजेंस रिजर्व एकदम खत्म हो गया पाकिस्तान के पास, उसे भी कुछ हाद तक मदद मिल सकती है। बता दें कि पाकिस्तान को यह पैसा आईएमएफ एक बार में नहीं बहिर्भूत करने की है।

इन शर्तों की वजह से पाकिस्तान द्वी ज्यादा आईएमएफ ने दिया पैसा पहले एक बायोडॉलर का लोन दिया है। पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच एग्रीमेंट को लेकर बातचीत हो रही थी। बता दें कि पाकिस्तान को यह पैसा एक्सप्रेडेड फंड फैसिलिटी के तौर पर नहीं दिया गया है। आईएमएफ ने इमरजेंसी बैलाउट करने की

पाकिस्तान को जो ये तीन अरब डॉलर

फैलतू का खर्च नहीं करना है। इस पैसे का इतेमाल वहीं करें जहां सबसे ज़रूरी हो। पाकिस्तान की सरकार अपने लोगों को जो बहुत सारी संविधानीय तरें थीं वो सारी चोरों उसे बर्बाद करनी होंगी। इन शर्तों की वजह से पाकिस्तान द्वी ज्यादा आईएमएफ ने दिया पैसा

पहले एक बायोडॉलर का कर्ज

पाकिस्तान को अगले एक साल में यानी 1 जुलाई 2023 से लेकर 30 जून 2024 तक 22 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। जब इनका कर्ज ही चुकाना है तो यह तीन अरब डॉलर के समान होगा। मगर एक चोर और है जब आईएमएफ के बाद हो सकता है कि यहां से अरब डॉलर के समान होगा। अरब भी पाकिस्तान को इनके काम दद कर रहे हैं। इन देशों से भी पाकिस्तान ने मदद की भीमी मांगी थी। चान भी हो सकता है कि पाकिस्तान को बहुत से बर्बाद हो सकता है। इनकी वजह से बर्बाद हो सकता है। बायोडॉलर के लिए जो लोग मिला है, वो बया करनी है। अरबसल, आईएमएफ ने पाकिस्तान को उसकी उम्मीद से ज्यादा पैसा दिया। उसने 2.5 अरब डॉलर मांगी थी। लेकिन आईएमएफ ने तीन अरब डॉलर में

इन्हींमें कर्ज करना है।

देहरादून, 2 जुलाई (एजेंसियां)। लोकायुक्त विल आगे नहीं बढ़ पाई और न ही सिफारिशों की रिपोर्ट विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी। अब हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सरकार को अंतिम तीनों पर सप्ताह में लोकायुक्त नियुक्त करने का आदेश दिया है।

अटका पड़ा है लोकायुक्त विल

अंतिम तीनों पर नहीं पहुंची समिति की सिफारिशें, स्पीकर को निर्णय लेने का अधिकार



देहरादून, 2 जुलाई (एजेंसियां)। लोकायुक्त विल विधानसभा प्रवर समिति की पांच बैठकें कर चुकी थीं। लेकिन विल पर समिति की सिफारिशें अंतिम तीनों पर सहृदय पहुंची थीं। मगर एक चोर और है जब आईएमएफ के बाद हो सकता है कि यहां से अरब डॉलर के समान होगा। मगर एक चोर और है जब आईएमएफ के बाद हो सकता है कि यहां से अरब डॉलर के समान होगा।

पाकिस्तान के सामने जो शर्तें रखी हैं

क्या पाकिस्तान उसे मूलक में इन्हींमें कर्ज करना है। मगर इसके बाद विल आगे

विवादित विल आगे नहीं बढ़ पाई।

2017 में तत्कालीन विल मंत्री प्रकाश पंत की अध्यक्षता में प्रवर समिति बनाई गई थी। लेकिन 2019 में उनके निधन के बाद प्रवर समिति लोकायुक्त पर आगे नहीं बढ़ पाई। 2018 में त्रिवेंद्र सरकार के समय लोकायुक्त विधायक सदन विल पर रखा गया था।

इस विल पर विधानसभा प्रवर समिति को बिधायक सदन विल पर रखा गया था। जिसमें तत्कालीन विल मंत्री प्रकाश पंत को समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इसमें भाजपा विधायक मुना सिंह चौहान, महेंद्र भट्ट, विपक्ष के प्रीतम सिंह समेत सात सदस्य थे। लोकायुक्त सिंह प्रवर समिति ने लगावाया पांच बैठकें कर ली थीं। साथ ही विल पर लोगों से अन्वलाइन सूची लिए गए थे। वर्ष 2019 में विल मंत्री प्रकाश पंत के आकस्मिक निधन हो गया। इसके बाद प्रवर समिति

प्रवर समिति को बिधायक सदन की संविधानसभा का संपति, स्पीकर को विचार और

निर्णय लेने का अधिकार

प्रवर समिति के सदस्य रहे

विधायक के सदन विल पर रखा गया था।

समिति की कार्यवाही विधायक सदन का आदेश दिया है।

पुनर्गठन भी किया जाता है।

विधायक के सदन विल पर रखा गया था।

